parknotes

विलियम रिकेटस् सैंक्चुअरी (संरक्षित आरण्य)

विलियम रिकेटस् सैंक्चुअरी (संरक्षित आरण्य) प्रकृति और अध्यात्म के क्षेत्रों के संगम के लिए एक उत्कृष्ट वातावरण है। यह सुंदरता और शांति से परिपूर्ण स्थान है जो डैन्डेनौंग की पहाड़ी श्रृंखला के प्राकृतिक वातावरण में एबोरिजनल शिल्पकला का प्रदर्शन करता है।

यह सैंक्चुअरी विलियम रिकेटस् नामक एक व्यक्ति की विचारधारा को श्रद्धांजली है जो यह मानते थे कि हम सब प्राकृतिक वातावरण की देखभाल के ज़िम्मेदार हैं और भूमि की देख-भाल के द्वारा हम जीवन का पोषण कर सकते हैं।

विलियम रिकेटस् का संक्षिप्त इतिहास

रिचमंड, विक्टोरिया में 1898 में जन्मे विलियम रिकेटस् 1934 में माऊंट डैन्डेनौंग में सदा के लिए बस गए।

सन् 1912 से 1920 के दौरान विलियम ने वायलिन बजाने, गहने बनाने और मिट्टी से चीज़ें बनाने की कलाएं सीख ली थीं।

सन् 1949 – 1960 के दौरान वे अनेकों बार पिजांतजाजारा और एरेंरेंट एबोरिजनल लोगों के बीच में रहने के लिए मध्य ऑस्ट्रेलिया गए, जिनकी परंपरा और संस्कृति से उनकी शिल्पकला को प्रेरणा मिली।

सन् 1970 में अपनी बड़ी कलाकृतियों को ले कर वे भारत गए जहाँ वे दो वर्ष तक रहे। इस यात्रा के दौरान विलियम ने आध्यात्मिक स्तर पर स्वयं को भारत के लोगों के साथ जुड़ा हुआ महसूस किया और पाँडीचेरी में श्री अरविन्द आश्रम (एक विश्वविख्यात आध्यामिक केंद्र) में कुछ समय व्यतीत किया।

सैंक्चुअरी की सारी कृतियाँ भट्ठी में 1200 डिग्री सैंटीग्रेड तक गरम की गई चिकनी मिट्टी से बना कर वन के वातावरण में रखी गई हैं। बहता हुआ पानी जीवन के बहलाव का प्रतीक है।

विलियम की मृत्यु चौरानवे वर्ष की आयु में 1993 में हुई।

विलियम की विचारधारा

विलियम प्रकृतिवादी थे जो वर्षों से चले आ रहे पर्यावरण और जीवों के निवासस्थानों के बड़े पैमाने पर विनाश से चिंतित थे।

जैविक कोशिकाओं से विभिन्न जीवों की उत्पत्ति के सिद्धांत की अपेक्षा विलियम का यह मानना था कि पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीव पृथ्वी के जीवन का ही एक हिस्सा हैं।

प्रेम ही जीवन है

विलियम ने जीवन के बारे में अपनी विचारधारा बड़े जोश से लिखी है:

"जीवन प्रेम है। आप सब मेरे प्रति, प्रकृति का एक अंग होने के नाते हम सभी पक्षियों और पेड़ों के बन्धु-बान्धव हैं।

तो क्या आप इस पवित्र सुंदरता में हमारे साथ शामिल होंगे, क्योंकि व्यापक दृष्टि से हम विश्व की सुंदरता का ही एक अंग हैं, हम जानते हैं कि हम इसके स्रष्टा का ही अंश हैं और अपने तन और मन की इस अभिव्यक्ति के द्वारा हम ईश्वर को वह लौटाते हैं जो उसी से उद्भूत हुआ है।

हम में से हर एक ईश्वर की शक्ति का परिणायक है और यदि हम प्रेम का उद्गार मूर्तिकला और संगीत द्वारा कर पाएं तो हम सौभाग्यशाली हैं क्योंकि इसके द्वारा हम ईश्वर को पा सकते हैं। अपने लिए प्रेम पर अधिकार पाने का एक ही तरीका है, दूसरों में खूब प्रेम बाँटो, इसलिए तुम्हारा भाई विलियम रिकेटस् आशा करता है कि तुम इन सब चीज़ों का मेरे साथ मिलकर आनंद उठाओगे। हमारी प्रार्थना ऐसी हो:

हम ऑस्ट्रेलिया के अरण्यों की पवित्रता बनाए रखें और इनका भगवान के गीत की भाँति आदर करें। हममें परिपूर्ण जीवन की इतनी शक्ति हो और ईश्वर हमें ऐसी प्रबुद्ध भावनाएं दे कि इस संदेश को पढ़ कर हम वास्तविक सुंदरता की खोज में पूरे दिल से लग जाएं।

मानव प्रकृति की श्रेष्ठतम कृति है, प्रकृति के ऋणी होने के नाते उसे अपना पूरा सहयोग देकर अपनी विरासत का दावा करो।"

सैंक्चुअरी के खुलने का समय

रोज़ाना प्रातः 10 बजे से सायं 4.30 बजे तक (सिवाय क्रिसमस के दिन, अत्यधिक सर्दी अथवा गरमी के दिनों, और अत्यधिक निर्माण कार्य के दिनों को छोड़ कर)। प्रवेश शुल्क लागू होगा।

यदि सैंक्चुअरी को देखने के लिए आपके पास सीमित समय है तो 13 1963 पर फ़ोन करके पता लगा लें कि जिस दिन आप वहाँ जाना चाहते हैं, उस दिन सैंक्चुअरी खुली है अथवा नहीं।

फ़ोटो लेना

आगन्तुक केवल अपने निजी इस्तेमाल के लिए फ़ोटो ले सकते हैं। विलियम रिकेटस् की इच्छा के अनुसार, जो सैंक्चुअरी की उनकी विचारधाराओं के अनुरूप हैं, वाणिज्यिक स्तर पर फ़ोटो लेने पर अत्यधिक प्रतिबंध लागू हैं। प्रकाशित सामग्री बिक्री के लिए सैंक्चुअरी में उपलब्ध है।